Saarth
E-Journal of Research

ISSN NO: 2395-339X

बौद्धिक अक्षम बच्चों की शिक्षा में विशेष शिक्षक की भूमिका

(Role of Special Educator in Education of Children with Intellectual Disabilities.)

Mr. SANTOSH KUMAR*

Abstract

प्रस्तुत प्रकरण में बौद्धिक अक्षम बालक को शिक्षा प्रदान करने की चेष्टा प्रदान करता है । सभी बौद्धिक अक्षम बालक एक जैसे नही होते सभी का स्तर भी अलग -अलग होते है , आवश्यकतानुसार अलग अलग शिक्षा प्रदान की जाती है । भारतवर्ष में बौद्धिक अक्षम बालकों के लिए विशिष्ट शैक्षिक कार्यक्रमों का अभाव - सा प्रतीत होता है , परंतु विकसित राष्ट्रों में बौद्धिक अक्षम बालकों की शिक्षा के लिए अनेक प्रयास किये जा रहे है । बौद्धिक अक्षम बालक को उचित स्थान दिलाने, स्वस्थ आदतों का निर्माण , सुरक्षा , प्राथमिक चिकित्सा तथा मनोरंजन इत्यादि क्षेत्रो में आत्मनिर्भर बनाने के लिए विशेष शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है , बौद्धिक अक्षम बालक के दैनिक जीवन में आने वाली व्यक्तिगत, सामाजिक तथा आर्थिक आवश्यकताओ की पूर्ति करने के लिए विशेष शिक्षक की आवश्यकता भी है ।

प्रमुख प्रत्यय /शब्दावली - बौद्धिक अक्षम बालक, विशेष शिक्षक, शिक्षा

परिचय (Introduction)

बौद्धिक अक्षम बालकों से तात्पर्य उन बलको से है जिनकी मानसिक योग्यता अपनी आयु के अधिसंख्य सामान्य से कम होती है । बौद्धिक अक्षम को प्रायः बुद्धि परीक्षण पर बालकों के द्वारा किये गये कार्यों (Performance) के आधार पर परिभाषित किया जाता है । ये बालक जिनकी बुद्धिलब्धि 70 या 70 से कम होती है , प्राय : बौद्धिक अक्षम कहलाते हैं । बौद्धिक अक्षम बालकों के लिए । अल्प बुद्धिमत्ता , मानसिक दौर्बल्यता मानसिक सामान्यता (Feebie Mindedness , Mental Deficiency , Mental Subnormality) जैसे शब्दों का प्रयोग भी किया जाता है । बौद्धिक अक्षम बालकों को उनकी बुद्धिलब्धि तथा मानसिक योग्यता के आधार पर कई भागों में बांटा जा सकता है । अल्प , मध्यम , गंभीर ,अतिगंभीर सभी स्तरों के मंदबुद्धि बालकों की शिक्षा की दिशा में वर्षों से प्रयास चल रहा था लेकिन इसे पहली राष्ट्रीय शिक्षा नीति , 1986 में शामिल कर इस दिशा में एक ठोस पहल किया गया ।

***Mr. SANTOSH KUMAR, Assistant Professor, B.Ed, M. Ed. (Spl. Ed. IDD), MA,PGDM**

Saarth
E-Journal of Research
ISSN NO: 2395-339X

पश्चात् पाइड (Project Integrated Education of the Disabled Person PIED) नामक योजना की शुरुआत की गई । तत्पश्चात् आवासीय कार्यक्रम (Residential Program) किया गया, विशेष शिक्षक' (Special Teacher) विशेष शिक्षा (Special Education) में विशिष्ट योग्यताधारी शिक्षक है जो किसी भी माहोल में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (Children with Special Needs) को पढ़ा सकते है । विशेष आवश्कयता वाले बच्चों के शिक्षण अधिगम एवं सामान्य शिक्षकों में ऐसे बच्चों के प्रति संवेदनशील (Sensitive) करने के लिए संसाधन शिक्षकों को जिला संसाधन समूह (Distric Resource Group) के रूप में नियुक्त किया जाता है । इनकी तैनाती भ्रमणशील शिक्षक अथवा परिभ्रामी शिक्षक (Itinerant Teacher) के रूप में प्रखंड संसाधन केन्द्र (Block Resource Centre) अथवा संकुल संसाधन केन्द्र (Cluster Resource Centre) पर भी की जाती रही है ।

बौद्धिक अक्षम बच्चो की विशेषता

Characteristics of Children with Intellectual Disabilities.

बौद्धिक अक्षम बालक की प्रमुख विशेषतायें निम्नलिखित हैं .

1. बौद्धिक अक्षम बालक सीखी गई बात को नयीन परिस्थितियों में प्रयुक्त करने में प्रायः कठिनाई का अनुभव करते हैं ।
2. बौद्धिक अक्षम बालक में आत्मविश्वास की कमी होती है ।
3. बौद्धिक अक्षम बालक की बुद्धिलब्धि 70 या 70 से कम होती है ।
4. बौद्धिक अक्षम बालक की सीखने कीगति मंद होती है ।
5. बौद्धिक अक्षम बालक जटिल परिस्थितियों में सीखने में प्रायः असफल रहते हैं ।
6. ऐसे बालक प्रायः कार्य तथा कारण (Cause and Effect) के सम्बंध में अजीबो गरीब धारणायें बना लेते हैं ।
7. बौद्धिक अक्षम बालक का पारिवारिक विद्यालयी, सामाजिक व संवेगात्मक समायोजन उचित नहीं होता ।
8. बौद्धिक अक्षम बालक एक ही प्रकार के विभिन्न अवसरों पर भित्र - भिन्न प्रकार के व्यवहार करते हैं ।

विशेष शिक्षक का कार्य

(Work of Special Educator)

- बच्चों के कौशल (Skili) की पहचान करना
- विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को समन्वय पूर्व प्रशिक्षण देना ।

Saarth
E-Journal of Research
ISSN NO: 2395-339X

- विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान करना ।
- सहायक उपकरणों के उपयोग को सुनिश्चित करना ।
- नामांकन पूर्व दियांग बच्चों को सामान्य विद्यालय भ्रमण का अवसर उपलब्ध कराना ।
- व्यक्तिनिष्ठ शैक्षिक योजना (IEP) तैयार करना ।
- विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की शैक्षणिक आवश्यकताओं (Educational Needs) को ध्यान में रखकर उनके लिए उपचारात्मक शिक्षा (Remedial Teaching) का उपाय करना ।
- मुख्यधारा में शामिल करने संबंधी गतिविधियों में बढ़ - चढ़ कर भाग लेना ।
- बच्चों को विद्यालय में समावेशन (Inclusion) के लिए हर संभव प्रयास करना ।
- सामान्य शिक्षकों को विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के शिक्षण अधिगम संबंधी परामर्श देना ।
- समस्याग्रस्त बच्चों की शक्तियों एवं कमजोरियों का पता लगाना ।

बौद्धिक अक्षम बच्चों की शिक्षा में विशेष शिक्षक की भूमिका

(Role of Special Educator in Education of Children with Intellectual Disabilities.)

स्वयं देखभाल के प्रशिक्षण में विशेष शिक्षक की भूमिका (Role of Special Teacher in Self Care Training): - बौद्धिक अक्षम बालक को स्वयं की देखभाल करने के योग्य बनाने के लिए उन्हें विभिन्न क्षेत्रो में विशेष शिक्षक द्वारा शिक्षित किया जाना अति आवश्यक है । जैसे- कपड़े पहनना , भोजन करना , सफाई करना , अपनी वस्तुओं की रक्षा करना , मनोरंजन करना आदि का प्रशिक्षण ऐसे बालकों को विशेष शिक्षक द्वरा दिया जाता है जिससे वे अपने दैनिक कार्यों को सफलतापूर्वक स्वयं कर सके ।

सामाजिक प्रशिक्षण में विशेष शिक्षक की भूमिका (Role of Special Teacher in Social Training):- बौद्धिक अक्षम बालक को उचित सामाजिक व्यवहार करने के लिए भी सामाजिक प्रशिक्षण की आवश्यकता है, जिसका प्रशिक्षण विशेष शिक्षक द्वारा ही दिया जाता है । सामूहिक कार्यो , खेलों तथा सामाजिक शिष्टाचार का प्रशिक्षण देकर बौद्धिक अक्षम बालक को विभिन्न सामाजिक क्रियाकलापों में भाग लेने के लिए विशेष शिक्षक द्वारा प्रोत्साहित किया जा सकता है ।

Saarth
E-Journal of Research
ISSN NO: 2395-339X

आर्थिक प्रशिक्षण में विशेष शिक्षक की भूमिका (Role of Special Teacher in Economic Training) बौद्धिक अक्षम बालक को आर्थिक दृष्टि से आत्मनिर्भर बनाने के लिए ऐसे प्रशिक्षण की आवश्यकता है कि वे अपने जीवनयापन के लिए आवश्यक न्यूनतम धन अर्जित करने में समर्थ हो सकें । छोटे - छोटे घरेलू कार्यों , हस्तशिल्पों आदि का विशेष शिक्षक द्वारा प्रशिक्षण देकर ऐसे बालकों को स्वावलम्बी बनाया जाता है ।

विशिष्ट कक्षा में विशेष शिक्षक की भूमिका (Role of Special Teacher in Economic Training) बौद्धिक अक्षम बालक अपनी मानसिक सीमाओं के कारण सामान्य कक्षाओं का पूर्ण लाभ नहीं उठा पाते हैं । अतः उनके लिए विशेष रूप से विशेष अध्यापकों के द्वारा संचालित विशिष्ट कक्षाओं की व्यवस्था की जाती है । हमारे देश में बौद्धिक अक्षम बालक के लिए केन्द्र तथा राज्य सरकार की आर्थिक सहायता से एवं अनेक स्वयंसेवी संस्थाओं की ओर से विशेष प्रकार की व्यवस्थाओं से युक्त आवासीय तथा दिवसीय शिक्षा संस्थाएं खोली गई हैं । इसमें बौद्धिक अक्षम बालक की विशिष्ट आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए उनके प्रशिक्षण का ध्यान दिया जाता है ।

नियमित विद्यालय में विशिष्ट कक्षा व्यवस्था के जरिये भी बौद्धिक अक्षम बालक को शिक्षण अधिगम की सुविधा मुहैया किया जा सकता है । इसके अंतर्गत मुख्यधारा के विद्यालयों में संसाधन कक्ष (Resource room) स्थापित किया जाता है । स्कूल अवधि में शिक्षक बौद्धिक अक्षम बालक को संसाधन कक्ष में शिक्षण अधिगम कार्य करवाते हैं ।

Saarth
E-Journal of Research

ISSN NO: 2395-339X

अमूमन नियमित शिक्षा के माध्यम से प्राथमिक स्तर की शिक्षा ही हासिल कर पाते हैं । चूंकि बौद्धिक अक्षम बालक मानसिक रूप से पूर्णतः स्वस्य नहीं किये जा सकते इसलिए ऐसे बच्चों में प्राथमिक अथवा उच्च प्राथमिक से आगे की शिक्षा हासिल करने का सामर्थ्य ही नहीं होता है ।

व्यावसायिक प्रशिक्षण में विशेष शिक्षक की भूमिका (Role of Special Teacher in Vocational Training) - व्यावसायिक प्रशिक्षण बौद्धिक अक्षम बालक को देना आवश्यक है क्योंकि सामान्य व्यक्ति के तरह बौद्धिक अक्षम बालक आत्मनिर्भर बन सके, तथा अपने लिए रोटी कमा सके, इसमे बच्चो का भविष्य निर्धारण होता है , प्रशिक्षित विशेष शिक्षक द्वारा बालक को वास्तविक वातावरण में रख कर प्रशिक्षण दिया जाता है

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. डॉ.कुमार संजीव (2008) विशिष्ट शिक्षा.जानकी प्रकाशन,पटना नई दिल्ली
2. जोसेफ. आर. ए. (2009), शिक्षा एवं पुनर्वास, समाकलन पब्लिसर्स,वाराणसी ।